सेंट एंड्रयूज स्कॉट्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल

९वीं एवेन्यू, आई.पी.एक्सटेंशि, पटपडगंज,दिल्ली – ११००९२

सत्र: 2026-27

कक्षा -आठवीं पाठ -7
विषय - हिंदी (सरदार ऊधम सिंह)

मौखिक प्रश्नों के उत्तर -

(क) लंदन के न्यायालय में लोग उस नरसिंह को देखने के लिए उत्सुक थे, जिसने इंग्लैंड की भूमि पर दिन दहाड़े एक उच्च अंग्रेज़ अफ़सर का खून बहाकर भारत के खून का बदला चुका दिया था।

(ख) उधम सिंह को माइकल ओ. डायर की हत्या के मामले में 12 जून, 1940 को इंग्लैंड की भूमि पर फ़ाँसी दी गई।

(ग) रिटायर होने पर इंग्लैंड पहुँचे जनरल ओ. डायर को 20 हजार पौंड की राशि देकर नागरिक अभिनंदन किया गया।

(घ) जैसे ही उधम सिंह ने पिस्तौल से माइकल ओ. डायर की हत्या की, वैसे ही लोगों में भगदड़ मच गई। लोग एक दूसरे पर गिरने लगे। उधम सिंह भी दरवाज़े की ओर भागा परंतु भगदड़ में वह गिर पड़ा और दबोच लिया गया।

लिखकर

लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर–

(क) भीमकाय व्यक्ति उधम सिंह था। अदालत में उसके बारे में यह कानाफूसी शुरू हो गई कि यह तो काजल के पहाड़ जैसा है।

(ख) ऊधम सिंह ने अपना नाम राम मोहम्मद सिंह डिसूजा बताया क्योंकि उस नाम में हिंदू का 'राम', मुसलमान का 'मोहम्मद', सिख का 'सिंह' और ईसाई का 'डिसूजा' शामिल था।

(ग) जलियाँवाला बाग में सभा कर रहे हज़ारों निर्दोष लोगों पर जनरल डायर की सेना ने बेशुमार गोलियाँ बरसाकर उन्हें भून डाला। उधम सिंह बदला लेने के लिए इंजीनियरिंग की शिक्षा प्राप्त करने इंग्लैंड जा पहुँचा।

(घ) जब माइकेल ओ. डायर घर से चलकर सभा भवन पहुँचा, तभी भीड़ को चीरते हुए ऊधम सिंह वहाँ पहुँचे और अपनी पिस्तौल से दनादन गोलियाँ चलाकर जनरल डायर को मौत के घाट उतार दिया।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर–

(क) उधम सिंह को न्यायालय में अपने कार्य पर गर्व था जबकि उन्हें मृत्युदंड मिल रहा था। हम उनकी इस भावना से सहमत हैं क्योंकि उन्होंने इस तरह का कार्य करके एक अन्याय का बदला लिया था और यह देश प्रेम का एक उदाहरण था। अत: उन्हें अपने कार्य पर गर्व था।

(ख) यदि हम उधम सिंह की जगह होते तो हम भी ऐसा ही निर्णय लेते, क्योंकि जिस व्यक्ति ने हज़ारों निर्दोष और बेगुनाह लोगों को सिर्फ़ अपने स्वार्थ के कारण मरवा दिया, उसको जीवित रहने का कोई हक नहीं था। उसको सबके सामने मार कर यह दर्शाया गया कि बुराई का अंत हमेशा बुरा होता है।

(ग) हमारे विचार से एक व्यक्ति के अंदर इतनी दृढ़ता तथा संकल्प देश प्रेम के कारण आता है। उधम सिंह ने भी जब 12 वर्ष की आयु में हज़ारों निर्दोष और बेगुनाह लोगों को मरते और तड़पते हुए देखा तब उसने ठान दिया था कि वह एक दिन इस नृशंस हत्याकांड का बदला अवश्य लेगा।

(घ) आज के समय में देशभक्ति व बलिदान का स्वरूप यह होना चाहिए कि हमें हर हाल में अपने देश की रक्षा का संकल्प लेना चाहिए। उधम सिंह से हम सीख सकते हैं कि अपनी शक्ति दिखावे में नहीं, देश प्रेम में लगा देना चाहिए।

पठित गद्यांश

(क) **पाठ का नाम**- सरदार ऊधमसिंह। **लेखक**- श्रीकृष्ण 'सरल'।

(ख) माइकेल ओ. डायर घर से चलकर सभा भवन पहुँचा, जहाँ 'रायल सेंट्रल एशियन सोसायटी' और 'ईस्ट इंडिया एसोसिएशन' के तत्वावधान में 'अफगानिस्तान' विषय पर एक भाषण का आयोजन किया गया था।

(ग) उस सभा भवन में एक भारतीय नौजवान अग्रिम पंक्ति तक जा पहुँचा और अपनी पिस्तौल से दनादन गोलियाँ छोड़ने लगा।

(घ) इस पंक्ति का अर्थ है कि शरीर पंच तत्व- क्षिति, जल, पावक, गगन और हवा से बना होता है, उस भारतीय नौजवान ने जनरल ओ. डायर को मार दिया।

अर्थ ग्रहण संबंधी प्रश्न

बहुवैकल्पिक प्रश्न

1. (क) (i) (ख) (ii) (ग) (iii) (घ) (iv)
2. (क) राम मोहन सिंह डिसूजा (ख) माइकल ओ. डायर
   (ग) 12 जून 1940 (घ) माइकल ओ. डायर
3. (क) ☒ (ख) ☑ (ग) ☑ (घ) ☑

व्याकरण कलश

1. (क) वीर, फ़ाँसी का – गुणवाचक विशेषण
   (ख) बारह – संख्यावाचक विशेषण
   (ग) हज़ारों – संख्यावाचक विशेषण
   (घ) न्याय, काष्ठ, भीमकाय – गुणवाचक विशेषण

2. (क) संप्रदान, अधिकरण, संबंध कारक (ख) कर्ता, संबंध, संबंध कारक
(ग) कर्म, संबंध, कर्ता कारक (घ) संबंध, संप्रदान, संबंध कारक
3. (क) युद्ध में अनेक निर्दोषों को अपना खून बहाना पड़ता है।
(ख) पुलिस की गोलियों से डाकू का शरीर ठंडा पड़ गया।
(ग) भीड़ में लोग अपरिचित युवक के बारे में कानाफूसी करने लगे।
(घ) महिला भीड़ को चीरती हुई सीधे भगवान की मूर्ति के पास पहुँच गई।
(ङ) पुलिस ने जेल तोड़कर भागते चोर को गोलियों से भून डाला।